M.A. Hindi (ODL Mode)
M.A. Semester – I

HIN 111-I MADHYAYUGIN KAAVYA

इकाई I	पूर्वमध्यकालीन काव्य (कबीर / जायसी) कबीर – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी – (पदसंख्या 160 से 170) कबीर की काव्यकला, भाषा, समन्वय, मानवता, लोकमंगल जायसी – पद्मावत नागमती वियोग खण्ड (आरंभ के 10 पद) जायसी की काव्यकला, भाषा, समन्वय, विरह वर्णन, लोकतत्व
इकाई II	पूर्वमध्यकालीन काव्य (सूरदास / तुलसीदास) सूरदास – भ्रमरगीत सार – सं. रामचंद्र शुक्ल (पद – 21 से 30) सूरदास की काव्यकला, भाषा, समन्वय, लोकमंगल, विरह वर्णन तुलसीदास – रामचरितमानस – उत्तरकाण्ड (आरंभ के 25 दोहे) तुलसीदास की काव्यकला, भाषा, लोकमंगल, समन्वय, भक्ति, आदर्श कल्पना।
इकाई III	पूर्वमध्यकालीन काव्य (मीरा / रहीम) मीरा – सं. विश्वनाथ त्रिपाठी – (आरंभ के 10 पद) मीरा की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, प्रगतिशीलता, विरह वर्णन, रहीम की काव्यकला, भाषा, नीतितत्व, समन्वय, प्रेमतत्व रहीम (दोहे : 01 से 25)
इकाई IV	उत्तरमध्यकालीन काव्य (बिहारी / घनानंद) बिहारी – बिहारी सतसई – सं. जगन्नाथदास रत्नाकर (दोहा संख्या 01 से 25) बिहारी की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व, बहुज्ञता घनानंद – कवित्त सं. विश्वनाथ मिश्र, (कवित्त संख्या 01 से 15) घनानंद की काव्यकला, भाषा, प्रेमतत्व।

इकाई I	प्रेमचंदोत्तर के परवर्ती उपन्यास का विकासक्रम (2000 तक) बीसवीं सदी की हिंदी कहानी का विकासक्रम (2000 तक)
इकाई II	उपन्यास साहित्य : आपका बंटी – मन्नू भंडारी तात्विक विवेचन, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई III	कहानी साहित्य : उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी आकशदीप – जयशंकर प्रसाद गैंग्रीन – अज्ञेय दुनिया का अनमोल रत्न – प्रेमचंद सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई IV	कहानी साहित्य : साजिश – सूरपाल चौहान जंगल गाने लगा – अंकुश्री पक्षी और दीमक – ग. मा. मुक्तिबोध दूसरा ताजमहल – नासिरा शर्मा दुख – यशपाल संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

HIN 113-I BHARTIY KAVYSHASTRA

इकाई I	भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पति के सिद्धांत (भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनव गुप्त) साधारणीकरण की अवधारणा।
इकाई II	अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, स्वरूप, अलंकार के भेद। काव्य में अलंकार का महत्व। रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति के भेद, काव्य–गुण, रीति एवं शैली।
इकाई III	वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति भेद। ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख भेद, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
इकाई IV	औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप, औचित्य के भेद, काव्य में औचित्य की अनिवार्यता।

HIN 115-I NATAKKAR MOHAN RAKESH

इकाई I	नाटक और रंगमंच, स्वरूप एवं संरचना हिंदी रंगमंच का विकासक्रम रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ नाटक की पाश्चात्य परंपरा पारसी थिएटर, रंगभाषा
इकाई II	निर्धारित नाटक आषाढ़ का एक दिन कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई III	निर्धारित नाटक लहरों के राजहंस कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।
इकाई IV	निर्धारित नाटक आधे अधूरे कथ्यगत अध्ययन रंगमंचीय अध्यन तात्विक मूल्यांकन।